

खबर संक्षेप

जेके सीमेंट की पहल से हर घर तक पहुंच रहा स्वास्थ्य जांच का संदेश



अमानगंज। स्वास्थ्य जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जेके सीमेंट द्वारा कोनी के वोक्शनल ट्रेनिंग सेंटर में एनीमिया की जांच के बाद फॉलो-अप स्वास्थ्य परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन किया गया तथा एनीमिया से बचाव, सुंगुलित पोषण और समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। जेके सीमेंट का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना ही नहीं, बल्कि “हर घर में चेकअप, हर परिवार स्वस्थ” के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करने और आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल के माध्यम से लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, पौष्टिक आहार अपनाने तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण दिखाई देने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने का संदेश दिया गया।

बालाघाट के 30 बैगा आदिवासियों की अकाल मृत्यु के जिम्मेदारों के खिलाफ आदिवासी कांग्रेस का प्रदर्शन
पन्ना। बालाघाट में 30 बैगा आदिवासियों की अकाल मृत्यु के मामले को लेकर जिला आदिवासी कांग्रेस, पन्ना के तत्वावधान में आज 8 सितंबर को विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के माध्यम से इस मामले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई एवं आदिवासी समाज को न्याय दिलाने की मांग की गई। जिला आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह राजगोंड ने दोपहर 2 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पन्ना से पैदल मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचें और तहसील दार पन्ना को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग का महामहिम को संबोधित ग्यापन तहसीलदार पन्ना को सौंपा जिसमें बालाघाट में हुई दुखद घटना में मृत परिजनों को मृत प्रत्येक बच्चे के परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता/मुआवजा दिया जाए। घटना की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। प्रभावित परिवारों के बच्चों की शिक्षा एवं परिवार के भरण पोषण की उचित व्यवस्था सरकार द्वारा की जाए। आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को तत्काल मजबूत किया जाए। भविष्य में ऐसी हृदयविदारक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन आदिवासी कांग्रेस के तत्वाधान में जिला कांग्रेस कमेटी में के अध्यक्ष अनीस खान सहित रामखेलावन चौधरी (जनवार सरपंच) इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

मकान गिरने से सात लोगों की जान बाल-बाल बची, बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर परिवार की आंखों में छलक रहे आंसू

टूट गया गरीब का आखिरी सहारा, जर्जर मकान भी ढहा, अब पन्नी के तंबू में कट रही जिंदगी

अमानगंज। कभी जिस छोटे से कच्चे कमरे को परिवार अपना आशियाना समझकर उसमें जिंदगी के सुख-दुख काट रहा था, आज वही कमरा मिट्टी के ढेर में बदल चुका है। पीछे रह गई हैं तो सिर्फ टूटे हुए घर की दीवारें, बिखरा सामान और उन आंखों के आंसू, जिनमें अब अपने घर का सपना भी धुंधला नजर आने लगा है। गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र के अमानगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत विक्रमपुर ग्राम दुरोंहा निवासी देवेंद्र कुमार शुक्ला का जर्जर कच्चा मकान लगातार बारिश और पानी भरने के कारण अचानक धराशायी हो गया। जिस समय मकान गिरा, उस समय परिवार के सात सदस्य गनीमत से बाहर थे। परिवार बरसाती से बने अस्थायी तंबू में खाना खा रहा था, तभी अचानक उनका पुराना आशियाना भरभराकर गिर पड़ा। एक पल में वह घर, जो वर्षों से परिवार का सहारा था, मलबे में तब्दील हो गया। हादसे के बाद देवेंद्र कुमार शुक्ला, उनकी पत्नी और दो बेटियां एवं बेटे अब उसी छोटे से पन्नी के तंबू में रहने को मजबूर हैं, जो पहले उनके कच्चे मकान के बाहर बरसात से बचने के लिए बनाया गया था। पहले घर छोटा था, लेकिन सिर छिपाने की जगह तो थी। अब वह भी नहीं रही।

न जमीन न पक्का आशियाना और न कोई सहारा...
देवेंद्र कुमार शुक्ला के परिवार की सबसे बड़ी मजबूरी यह है कि उनके पास न अपनी जमीन है



और न रहने के लिए कोई दूसरा आशियाना। पहले जर्जर अवस्था में खड़ा एक कच्चा कमरा ही उनका घर था और बाहर पन्नी का अस्थायी तंबू। अब बारिश ने वह आखिरी कमरा भी छीन लिया। छोटे से तंबू में पूरा परिवार किसी तरह जिंदगी गुजार रहा है। बारिश होती है तो चिंता बढ़ जाती है कि पानी अंदर न आ जाए। रात होती है तो चिंता रहती है कि बच्चों और परिवार को कहां सुरक्षित रखा जाए। गरीबी का दर्द शायद शब्दों में नहीं बताया जा सकता, उसे देवेंद्र कुमार शुक्ला की आंखों से देखा जा सकता है। अपनी आपबीती सुनाते-सुनाते देवेंद्र कुमार शुक्ला की आवाज भर आती है और आंखों से आंसू छलक पड़ते हैं। परिवार की बेटियां भी अपनी मजबूरी बताते हुए भावुक हो जाती हैं। उनके चेहरे पर बेबसी साफ दिखाई देती है। परिवार

का कहना है कि आर्थिक तंगी के कारण उन्हें कई बार भूखे पेट रात गुजारने की मजबूरी भी झेलनी पड़ती है। ऐसे में जब सिर छिपाने वाला घर भी नहीं रहा, तो आने वाली बारिश और रातें उनके लिए किसी परीक्षा से कम नहीं हैं।

एक तरफ बारिश का पानी, दूसरी तरफ आंखों का सैलाब
इस परिवार की कहानी सुनकर दिल में एक सवाल जरूर उठता हैकजिस गरीब के पास रहने के लिए जमीन तक नहीं, वह अपना आशियाना आखिर बनाए तो बनाए कहां? एक तरफ आसमान से लगातार बरसता पानी है, दूसरी तरफ परिवार की आंखों से बहते आंसू। एक तरफ जिंदगी बचाने की जद्दोजहद है, तो दूसरी तरफ टूट चुके घर की तस्वीर



सामने खड़ी है। देवेंद्र कुमार शुक्ला और उनके परिवार की स्थिति देखकर ऐसा लगता है मानो गरीबी ने उनसे पहले घर छीना और अब सुकून भी छीन लिया। यह सिर्फ एक मकान के गिरने की कहानी नहीं है। यह उस परिवार की कहानी है जिसके लिए एक छोटी-सी छत भी किसी महल से कम नहीं थी और आज वही परिवार बारिश के बीच पन्नी के एक छोटे से तंबू में अपनी रातें काटने को मजबूर है। देवेंद्र कुमार शुक्ला एवं उनकी बेटियों ने जन की आवाज न्यूज नेटवर्क के माध्यम से समाज, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं से मदद की गुहार लगाई है। परिवार का कहना है कि उनका मकान काफी पुराना और जर्जर हो चुका था। लगातार बारिश और पानी भरने के बाद वह अचानक ढह गया। फिलहाल परिवार के पास रहने

के लिए कोई सुरक्षित और स्थायी व्यवस्था नहीं है। जन की आवाज न्यूज नेटवर्क इस परिवार की पीड़ा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। हमारा उद्देश्य किसी की गरीबी का तमाशा बनाना नहीं, बल्कि उस परिवार की आवाज उन लोगों तक पहुंचाना है, जिनके छोटे से सहयोग से किसी गरीब के जीवन में एक बड़ी राहत आ सकती है। प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और सक्षम नागरिकों से अपील है कि देवेंद्र कुमार शुक्ला के परिवार की स्थिति को गंभीरता से देखते हुए उन्हें सुरक्षित आवास और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाए। किसी के लिए एक छोटी-सी मदद शायद बहुत छोटी हो, लेकिन किसी बेघर परिवार के लिए वही मदद सिर छिपाने की छत और जीने की नई उम्मीद बन सकती है।

टाइल्स व्यापारी पर हमला कर दहशत फैलाने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 6 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई

देवेन्द्रनगर। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह एवं एसडीओपी पन्ना श्री एस.पी. सिंह बघेल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उप निरीक्षक संतोष सिंह यादव के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावी एवं सख्त कार्यवाही की गई। फरियादी जीतेन्द्र उर्फ जिन्तू कुशवाहा द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 05.09.2026 को करीब 01रू30 बजे उसकी दुकान में घुस कर रोनी उर्फ पुष्पेन्द्र पटेल सहित 06 व्यक्तियों द्वारा गाली-गलौज करते हुए टाइल्स से सिर पर वार किया गया तथा लात-धुँसी से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। मारपीट में फरियादी के सिर, हाथ एवं छाती में चोटें आईं। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना देवेन्द्रनगर पुलिस द्वारा प्रकरण में आरोपीगण- 01- पुष्पेन्द्र उर्फ



रोनी पिता गुलजारी पटेल उम्र 23 वर्ष, 02- अर्पित उर्फ छोटू पटेल पिता आशाराम पटेल उम्र 23 वर्ष, 03-धीरेन्द्र पटेल पिता चन्द्रभान पटेल उम्र 24 वर्ष, 04-अमरजीत उर्फ छोटू पटेल पिता बाबूलाल पटेल उम्र 25 वर्ष, 05-देशराज पटेल पिता जयकुमार पटेल उम्र 28 वर्ष, 06- दीपू पटेल पिता आशाराम पटेल उम्र 25 वर्ष सभी निवासी बड़ौरा कस्बा देवेन्द्रनगर जिला पन्ना के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई।

पुलिस की अपील एवं संदेश
थाना देवेन्द्रनगर पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि क्षेत्र की शांति एवं कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध पुलिस की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कानून हाथ में लेने, मारपीट करने अथवा आमजन में भय एवं अशांति का वातावरण उत्पन्न करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गुन्नौर में भारी वाहनों की नो-एंट्री को लेकर फूटा आक्रोश, हाइवा ट्रक ने गाay को मारी टक्कर, चक्काजाम

कांग्रेस महासचिव कुलदीप सिंह डिघौरा ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी
गुन्नौर। गुन्नौर नगर के अंदरूनी मार्गों से लगातार बंखीफ गुजर रहे भारी वाहनों के कारण एक बार फिर बड़ा हादसा सामने आया है। बाईपास मार्ग उपलब्ध होने के बावजूद प्रशासनिक अनदेखी के चलते मुख्य बाजार व विहायशी क्षेत्र से निकल रहे एक तेज रफ्तार हाइवा ट्रक ने सड़क पर जा रही गाय को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे गाय गंभीर रूप से घायल होकर तड़पने लगी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आक्रोश भड़क उठा। आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर एकत्रित होकर आवागमन पूरी तरह ठप करते हुए जोरदार चक्काजाम कर दिया। कल से भारी वाहनों पर रोक नहीं लगी तो होगा उग्र आंदोलन- कुलदीप सिंह डिघौरा। घटना की सूचना मिलते ही जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के महासचिव कुलदीप सिंह डिघौरा मौके पर पहुंचे और नागरिकों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। मीडिया से मुखातिब होते हुए



महासचिव कुलदीप सिंह डिघौरा ने प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि नगर के बाहर व्यवस्थित बाईपास होने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों और यातायात पुलिस की लापरवाही से भारी डंपर और हाइवा नगर के अंदर से घड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। यदि कल से नगर के अंदर भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित नहीं किया गया, तो समस्त नगरवासियों को साथ लेकर व्यापक स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जवाबदारी शासन और स्थानीय प्रशासन की होगी।



तहसीलदार के आश्वासन के बाद खुला रास्ता प्रदर्शन और जाम की खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। तहसीलदार ने आक्रोशित नागरिकों और नेताओं से चर्चा की और नगर के भीतर भारी वाहनों के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के ठोस आश्वासन के बाद नागरिकों ने रास्ता बहाल किया। हालांकि, स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दो-टुक साफ कर दिया है कि यदि प्रशासन ने अपने वादे पर तत्काल अमल नहीं किया, तो यह आंदोलन और अधिक विकराल रूप लेगा।

40 वर्षों की सेवा के बाद पूरन सिंह राजपूत को भावभीनी विदाई, पन्ना जिला केंद्र प्राचार्य का मिला दायित्व

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस एवं विदाई समारोह

देवेंद्रनगर। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवेन्द्रनगर में महान शिक्षाविद एवं भारत रत्न से सम्मानित देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में हार्दोल्लास से मनाई गई। 5 सितंबर को अतिवृष्टि के कारण जिला प्रशासन द्वारा अवकाश घोषित किए जाने से कार्यक्रम 7 सितंबर को आयोजित हुआ। इसी अवसर पर विदाई एवं सम्मान समारोह मुख्य अतिथि पूरन सिंह राजपूत एवं अध्यक्ष आर.के. बागरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। आयोजन विद्यालय के प्राचार्य कमलेश कुमार मिश्रा एवं प्रधानाचार्य शिवेंद्र कुमार नामदेव के निर्देशन में हुआ। समारोह में शिशु विकास समिति के सदस्य फूलचंद विश्वकर्मा, हरदेव सिंह परमार, पंडित उमेश शर्मा, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता



एवं कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल सहित आचार्य परिवार उपस्थित रहा। समिति द्वारा पूरन सिंह राजपूत, आचार्य जगदीश प्रसाद सोनी, मुन्नालाल रैकवार एवं आचार्य सहायक राम चरण वर्मा का सम्मान एवं भावभीनी विदाई दी गई। विदाई के दौरान छात्र एवं आचार्य परिवार भावविभोर हो उठे और कई लोगों की आंखें नम हो गईं। पूरन सिंह राजपूत ने 1 जुलाई 1986 को सरस्वती शिशु मंदिर देवेन्द्रनगर से सेवा प्रारंभ की थी और 2026 तक लगभग 40 वर्षों तक निरंतर सेवाएं दीं। उनकी कार्यकुशलता एवं अनुभव को देखते हुए परिषद ने उन्हें पन्ना जिला केंद्र प्राचार्य के रूप में सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पन्ना में नवीन दायित्व



सौंपा है। इस अवसर पर उनके पुत्र आदेश चंदेल, जो भारतीय वायु सेना में सेवानिवृत्त हैं, भी उपस्थित रहे। श्री राजपूत ने परिषद का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय एवं शिक्षा के प्रति अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने की बात कही। समिति अध्यक्ष आर.के. बागरी एवं व्यवस्थापक आर.एल. शुक्ला ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आचार्य परिवार को शुभाशीष प्रदान किया। दीदी अनुप्रिया ने शिक्षक दिवस पर संबोधित किया तथा छात्र भैया आत्मेश पांडे ने संचालन किया। अंत में प्राचार्य कमलेश कुमार मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

वर्षों की सेवा के बाद छंटनी का खतरा, गुन्नौर के शिक्षकों ने खोला मोर्चा, प्रधानमंत्री से गुहार

गुन्नौर। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ (तहसील एवं ब्लॉक इकाई गुन्नौर) के बैनर तले शिक्षकों ने अपनी वर्षों पुरानी सेवाओं पर भंडारते संकेत को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 2010 और 2015 से पूर्व नियुक्त शासकीय शिक्षकों को शिक्षक पत्राप्ता परीक्षा (उच्च) की अनिवार्यता से मुक्त रखने और अनिवार्य सेवानिवृत्ति पर रोक लगाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी (वैद) तहसीलदार गुन्नौर के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया है। शिक्षकों का कहना है कि 10 से 15 वर्षों का लंबा शैक्षणिक अनुभव रखने वाले शिक्षकों पर अलग बर्तन होना और उन्हें पद से हटाना सीधे तौर पर प्राकृतिक न्याय का हनन है। 10-15 साल के अनुभव पर भारी पड़ रहे नए नियम संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए केवल ठ म्क./व.म्क. और 6 माह का विशेष प्रशिक्षण ही अनिवार्य था। इसके बावजूद अब अदालती फैसलों और रिट्यू पिटिशन का हवाला देकर उन्हें उच्च के बिना अयोग्य घोषित कर अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा रही है। 10 से 15 वर्षों तक शासकीय शालाओं में सेवानिवृत्ति के चुके और शासन के दर्जनों प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके



अनुभवी शिक्षकों को अचानक बाहर का रास्ता दिखाना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है। ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि भारत सरकार और राज्य सरकार अपने पुराने राजपत्रों और गजट नोटिफिकेशन के आधार पर 2010 व 2015 से पूर्व नियुक्त कक्षा 1 से 8 तक के सभी शिक्षकों के हित में एक स्पष्ट और संशोधित परिपत्र जारी करें।

शिक्षकों की स्पष्ट चेतावनी -
स्थानीय शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन ने शिक्षकों के अनुभव और समर्पण का सम्मान करते हुए नियमों में तुरंत सुधार नहीं किया, तो वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए इस आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे।



खबर संक्षेप

दो साल बाद भी शासकीय प्राथमिक शाला कदारी के नए भवन का निर्माण अधर में, ग्रामीणों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन



छतरपुर। ग्राम पंचायत कदारी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय का नया भवन न बनने से आक्रोशित ग्रामीणों ने छतरपुर कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर आवेदन पत्र सौंपा है। ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से स्कूल भवन के जल्द से जल्द निर्माण कराए जाने की पुर्जोर मांग की है।

ग्रामीण आशीष शुक्ला ने बताया कि दो वर्ष पूर्व एसडीएम के आदेश पर शासकीय प्राथमिक शाला के जर्जर भवन को गिरा दिया गया था। उस समय अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया था कि एक निश्चित समयावधि के भीतर नए स्कूल भवन का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। हालांकि दो वर्ष बीत जाने के बावजूद भी आज तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। भवन के अभाव में छोटे-छोटे बच्चों को प्राथमिक शिक्षा हासिल करने के लिए लगभग एक किलोमीटर से भी अधिक दूरी तय करके जाना पड़ रहा है। इससे बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि निश्चित समयांतराल में नए भवन निर्माण को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो समस्त ग्रामवासी शिक्षा विभाग के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना देने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ग्राम पंचायत धनगुवा में भ्रष्टाचार का आरोप



छतरपुर। जनपद पंचायत बड़ामलहरा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत धनगुवां के सरपंच और सचिव पर शासकीय योजनाओं की राशि में बड़े पैमाने पर धांधली और भ्रष्टाचार करने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले सुजानपुरा गांव के निवासियों ने छतरपुर कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर शिकायती आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच कराकर दोषी सरपंच और सचिव के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन पत्रों में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत धनगुवां की सरपंच रामसखी साहू पति पून साहू और सचिव शशिकांत दुबे आपस में साठगांठ कर केवल कागजों पर विकास कार्य दर्शाकर शासकीय धनराशि का गबन कर रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि सुजानपुरा गांव में कोई स्कूल भवन नहीं है, इसके बावजूद कागजों में शाला भवन मरम्मत के नाम पर राशि का दुरुपयोग किया गया है। इसी तरह ग्राम हरछोटा में बिना तलैया मरम्मत करए इसके निमित्त लिए गए, जबकि ग्राम भदनीबार में तो धरातल पर अस्तित्वहीन तलैया को कागजों में दर्ज कर निर्माण के नाम पर शासकीय बजट हड़प लिया गया।

इसके अलावा ग्रामीणों ने क्षेत्र में सड़क व नाली निर्माण में भी भारी अनियमितताओं का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि सुजानपुरा सहित आसपास के गांवों में पक्की सीसी रोड का निर्माण नहीं कराया गया है और जहां सड़कें बनाई भी गई हैं, वहां घटिया सामग्री के प्रयोग से गड्ढे हो चुके हैं। इसके बावजूद नाली व सीसी रोड निर्माण की पूरी राशि अहारित कर ली गई है। सुजानपुरा ग्राम में कलेक्टर से धनगुवां, आमखेरा, कैकाली, हरदोटा, मदनीबार और सुजानपुरा में हुए निर्माण व मरम्मत कार्यों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है।

सब्जी खरीदते समय महिला के थैले से एक लाख रुपये चोरी, पैसे गायब मिले तो फूट-फूटकर रोने लगी महिला

छतरपुर। जिले क्रे महाराजपुर थाना क्षेत्र में होलिका पार्क के पास सब्जी खरीदते समय एक महिला के थैले से अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक लाख रुपये चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद महिला को जब रुपये गायब होने की जानकारी लगी तो वह सड़क किनारे जमीन पर बैठकर फूट-फूटकर रोने लगी। जानकारी के अनुसार कुसमा के वार्ड नंबर 12 निवासी रामदेवी प्रजापति सुबह करीब 11 बजे अपने भतीजे संतोष प्रजापति के साथ बैंक से एक लाख रुपये निकालकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान होलिका पार्क के पास सब्जी के टैले पर दोनों सब्जी खरीदने के लिए रुके।



महिला के अनुसार, इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके थैले में रखे एक लाख रुपये चोरी कर लिए। कुछ देर बाद जब उन्होंने थैला देखा तो रुपये गायब मिले। पैसे चोरी होने की जानकारी मिलते ही महिला सदमे में आ गई और वहीं जमीन पर बैठकर रोने लगीं। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना में शामिल संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की जा सके। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

छात्रावास की सहायक रसोइया पहुंची जनसुनवाई, रिश्तत मांगने और बिना आदेश काम से हटाने का आरोप



छतरपुर। जिले क्रे कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास चंदला में सहायक रसोइया के पद पर कार्यरत रही पीड़िता श्रीमती संतोष वर्मा पत्नी उमेश वर्मा, निवासी चंदला ने अधिकारियों की मनमानी और अनियमितताओं के खिलाफ एक बार फिर छतरपुर कलेक्टर की जनसुनवाई में न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता ने आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने और उन्हें पुनः सहायक रसोइया के पद पर कार्य करने का अवसर प्रदान करने की मांग की है।आवेदन पत्र में पीड़िता ने बताया कि वह लंबे समय से छात्रावास में रसोइया का कार्य कर रही थीं। 1 जून 2023 को एक दुर्घटना के दौरान हाथ पर सीमेंट का टीन गिरने से उनका हाथ टूट गया था, जिसके इलाज के बाद जब वे वापस काम पर लौटीं तो उन्हें बिना

किसी लिखित आदेश के कार्य करने से रोक दिया गया। इसके साथ ही पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उनसे 20,000 रुपये की मांग की गई थी, और राशि देने से इंकार करने पर उनके साथ अनुचित व्यवहार तथा दुर्व्यवहार किया गया। पीड़िता का कहना है कि वे इस संबंध में कलेक्टर, एसडीएम और अन्य संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखित आवेदन दे चुकी हैं, लेकिन अब तक उन्हें कोई लिखित आदेश या समाधान नहीं मिला है। उन्होंने मांग की है कि मामले की जांच किसी तटस्थ अधिकारी से कराई जाए जो पूर्व में इस प्रकरण से जुड़ा न रहा हो। साथ ही बिना लिखित आदेश के कार्य से रोकने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए और किए गए एक्शन की लिखित जानकारी उन्हें दी जाए।

बरसात में कच्ची सड़क बनी ग्रामीणों की परेशानी, पक्की सड़क की मांग लेकर जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण

500 से अधिक आबादी वाले सूड़ा गांव में सड़क का इंतजार, बारिश में कीचड़ और जलभराव से आवागमन मुश्किल

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में नौगांव जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सहानिया के ग्राम सूड़ा के ग्रामीणों ने पक्की सड़क निर्माण की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव की आबादी 500 से अधिक है, लेकिन लंबे समय से गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। ग्रामीण राकेश रैकवार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सूड़ा, ग्राम सहानिया से करीब 3 किलोमीटर और माधौपुर से करीब 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। गांव तक पहुंचने वाला मार्ग कच्चा होने के कारण ग्रामीणों को सामान्य दिनों में भी आवागमन में परेशानी होती है। बारिश के



मौसम में सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के दौरान कच्चे रास्ते पर कीचड़ और जलभराव हो जाता है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों का गांव तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई बार ग्रामीणों को अपने वाहन गांव से बाहर ही खड़े करने पड़ते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की समस्या का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। खराब रास्ते के कारण विद्यार्थियों को

स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा ग्रामीणों को आवश्यक कार्यों के लिए गांव से बाहर जाने में भी दिक्कत होती है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि सहानिया अथवा माधौपुर से सूड़ा गांव तक पक्की सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि बारिश के मौसम में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके और गांव के लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

युवती से छेड़छाड़ और जबरन बाइक पर बैठाने का आरोप, कार्रवाई नहीं होने पर एसपी कार्यालय पहुंचा परिवार

छतरपुर। लवकुशनगर थाना क्षेत्र में शौच क्रिया के लिए घर से बाहर गई एक युवती के साथ बाइक से आए युवकों द्वारा छेड़छाड़ करने और कथित रूप से जबरन बाइक पर बैठोकर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद युवती ने अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।परिजनों के मुताबिक, युवती शौच क्रिया के लिए गई थी। इसी दौरान बाइक से आए कुछ युवकों ने उसके साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की और उसे जबरन बाइक पर बैठोकर ले जाने का प्रयास किया। युवती के विरोध करने पर किसी तरह वह वहां से बचकर अपने घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी।घटना के बाद परिवार ने लवकुशनगर थाने में शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया। परिजनों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद युवती अपने परिवार के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और लिखित आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ जांच कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। युवती के पिता ने बताया कि कुछ दिन पहले उनकी एक बेटी भी घर से गायब हो चुकी है, जिसका मामला परिवार के लिए पहले से ही चिंता का विषय बना हुआ है। अब दूसरी बेटी के साथ इस तरह की घटना सामने आने के बाद परिवार में भय का माहौल है। पिता ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।फिरहाल पुलिस द्वारा आवेदन की जांच और घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने के बाद आगे की कार्रवाई की बात सामने आ रही है।

छतरपुर। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम मनकारी में लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरों की चोरी का मामला सामने आया है। घटना के दो सप्ताह बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से असंतुष्ट पीड़ित ने मंगलवार को छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी को आवेदन सौंपा है।

पीड़ित ने चोरी का शीघ्र खुलासा करने और चोरी गया सामान बरामद कराने की गुहार लगाई है। ग्राम मनकारी निवासी पीड़ित रामबाबु मिश्र पुत्र जीवनलाल मिश्र ने एसपी को सौंपे आवेदन में बताया कि 23 अगस्त 2026 की रात करीब 1 बजे जब वे जागे तो देखा कि बगल के कमरे के बाहर लगा बल्ब बंद था। जब उन्होंने बल्ब जलाकर देखा तो कमरे में रखी पेटी खुली पड़ी



थी और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरों गायब थे। चोरी गए सामान में सोने के 4 कंगन, झुमकी, पांचाली मंगलसूत्र, अंगूठी तथा चांदी के बिछुआ और दो जोड़ पायल शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 10 से 12 लाख रुपये है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर पुलिस ने जेवरों की कीमत मात्र 90,000 रुपये लिखी थी। घटना के दिन पुलिस ने मौके

पर आकर जांच तो की, लेकिन उसके बाद से मामले में कोई प्रगति नहीं हुई। जब भी पीड़ित थाने जाकर पूछताछ करते हैं, तो उन्हें केवल विवेचना जारी होने की बात कहकर टाल दिया जाता है। पुलिस द्वारा न तो दोबारा मौके की जांच की गई और न ही कोई समुचित कार्रवाई की गई, जिससे हताश होकर पीड़ित को पुलिस अधीक्षक की शरण में आना पड़ा। पीड़ित ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर चोरी का खुलासा कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जमीन पर दबंगों के अवैध कब्जे से परेशान 95 साल की बुजुर्ग महिला पहुंची जनसुनवाई



करा लिया गया है। इस संबंध में पूर्व में न्यायालय अनुविभागीय दंडाधिकारी लवकुशनगर द्वारा यथास्थिति बनाए रखने का आदेश भी जारी किया गया था। इसके बावजूद दबंगों द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया। कृपाल अहिरवार ने बताया कि वह इस मामले की शिकायत पूर्व में भी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से कर

चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बार-बार चक्कर काटने के बाद भी न्याय न मिलने पर 95 वर्ष की बुजुर्ग मां को लेकर जनसुनवाई में आना पड़ा। पीड़ित परिवार ने कलेक्टर से मांग की है कि उनकी निजी भूमि से अवैध कब्जा हटाकर दबंगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

यूपी के सब-इंस्पेक्टर की पत्नी की हॉस्पिटल में मौत, मायके पक्ष ने लगाए प्रताड़ना और जहरीला पदार्थ खिलाने के आरोप

देर रात अस्पताल में हुआ हंगामा; आज जिला अस्पताल में होगा पोस्टमार्टम

छतरपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर की पत्नी की छतरपुर के मिशन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर शादी के बाद से लगातार प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जहरीला पदार्थ खाने के लिए मजबूर करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला की मौत के बाद देर रात मिशन हॉस्पिटल परिसर में कुछ देर हंगामे की स्थिति भी बनी। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आज जिला अस्पताल में मृतका का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार फतेहपुर जिले के जहानाबाद निवासी संगीता देवी राजपूत (28) का विवाह 7 जुलाई 2024 को महोबा

जिले के टीकारिया निवासी अनुज कुमार राजपूत से हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुआ था। अनुज कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ हैं और इटावा जिले के जैतपुर क्षेत्र में ड्यूटी पर बताए जा रहे हैं। मृतका के मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही संगीता को ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों के मुताबिक 5 सितंबर को भी उसके साथ मारपीट की गई थी, जिसके बाद उसके शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए थे। सूचना मिलने पर संगीता के पिता योगेंद्र राजपूत और भाई हिमांशु ससुराल पहुंचे थे। दोनों पक्षों को समझाने के बाद उस समय मामला शांत हो गया था। परिजनों के अनुसार 7 सितंबर को संगीता के साथ दोबारा विवाद और प्रताड़ना हुई, जिसके बाद उसने घर में रखी कोटनाशक दवा का सेवन कर लिया। बताया जा रहा है कि घटना के बाद संगीता ने फोन कर मायके वालों को इसकी जानकारी दी।



इसके बाद ससुराल पक्ष के लोग उसे इलाज के लिए नौगांव ले गए। उपचार के बाद उसे घर ले जाया गया, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर उसे छतरपुर के मिशन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। संगीता की मौत की खबर मिलते ही मायके पक्ष के लोग मिशन हॉस्पिटल पहुंचे

और मामले की निष्पक्ष जांच तथा पोस्टमार्टम कराने की मांग की। मृतका के भाइयों धर्मेन्द्र और हिमांशु ने पुलिस कंट्रोल रूम एवं डायल-112 पर सूचना देकर कार्रवाई की मांग की।

अस्पताल में देर रात हंगामे का आरोप

मृतका के भाई हिमांशु ने आरोप लगाया कि रात में संगीता के पति अनोज कुमार द्वारा कुछ लोगों को अस्पताल बुलाया गया था, जिसके बाद मिशन हॉस्पिटल परिसर में कुछ देर हंगामे की स्थिति बनी। परिजनों ने संगीता की मौत के लिए उसके पति और सास को जिम्मेदार बताते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मायके पक्ष ने यह भी दावा किया कि संगीता की शादी में परिवार ने करीब 50 लाख रुपये खर्च किए थे और शादी धूमधाम से की गई थी। इसके बावजूद शादी के बाद से उसे प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

रोजगार सहायक ने अपनी माँ के नाम कराया आवास

पीएम आवास सूची में बड़ा खेल

छतरपुर। छतरपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना में हो रहे घोटाले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला ग्राम ललपुर से सामने आया है जहाँ एक रोजगार सहायक ने अपनी माँ के नाम पर ही आवास आवंटित करा लिया। राजनगर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत ललपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना की हालिया सूची सर्वे सूची को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों ने सूची को संदिग्ध एवं भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त कर निष्पक्ष तरीके से दोबारा सर्वे कराने

की मांग की है। इस संबंध में मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किए गए हालिया सर्वे में गंभीर अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। उनका कहना है कि सर्वे सूची में प्रभावशाली व्यक्तियों, रिश्तेदारों तथा अधिकारियों/कर्मचारियों के चहेते लोगों के नाम शामिल किए जाने की बात सामने आई है।

रोजगार सहायक की माता का नाम लिस्ट में 144वें नंबर पर ग्रामीणों का आरोप है कि राजीव रंजन अवस्थी की मिली भगत से उनकी माता प्रेम रानी अवस्थी का भी नाम लिस्ट में शामिल किया गया है। प्राप्त सूची में प्रेम रानी अवस्थी का नाम 144 नंबर में दर्ज है।वहीं इस मामले में जब रोजगार सहायक से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें खुद नहीं पता यह नाम सूची में कैसे जुड़ गया वे खुद आवेदन देकर इस नाम को सूची से अलग हटवायेंगे।



पति ने लाठी-डंडों से पत्नी को पीटा, गंभीर चोट का आरोप

मारपीट की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज की एनसीआर, कार्रवाई न होने पर एसपी कार्यालय पहुंची महिला

छतरपुर। जिले के राजनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम बसारी निवासी एक महिला ने अपने पति पर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को पीड़िता रामय्यारी रैकवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत आवेदन सौंपा और पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसपी को दिए आवेदन में रामय्यारी ने बताया कि 5 अगस्त 2026 की सुबह करीब 7 बजे वह अपने कमरे में लेटी हुई थी। इसी दौरान उसके पति दिनेश रैकवार ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि पति ने उसके पेट और सीने में लात मारी

और बाल पकड़कर उसे कमरे से बाहर खींच लिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उस पर कुल्हाड़ी से हमला करने का भी प्रयास किया गया। महिला के मुताबिक, घटना में उसके सीने की हड्डी में गंभीर चोट आई है। उसने आवेदन में यह भी आरोप लगाया कि उसका पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। रामय्यारी के अनुसार, घटना के बाद वह शिकायत लेकर बमीठा थाना पहुंची थी, लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत पर एनसीआर दर्ज कर दी। महिला का आरोप है कि इसके बाद मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।कार्रवाई नहीं होने से परेशान होकर महिला ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की जांच कराने और पति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उसने बमीठा थाना पुलिस की कार्यप्रणाली की जांच कराने की मांग भी एसपी से की है।

मनकारी गांव में 10-12 लाख की चोरी, पुलिस कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

छतरपुर। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम मनकारी में लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरों की चोरी का मामला सामने आया है। घटना के दो सप्ताह बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने से असंतुष्ट पीड़ित ने मंगलवार को छतरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी को आवेदन सौंपा है।

पीड़ित ने चोरी का शीघ्र खुलासा करने और चोरी गया सामान बरामद कराने की गुहार लगाई है। ग्राम मनकारी निवासी पीड़ित रामबाबु मिश्र पुत्र जीवनलाल मिश्र ने एसपी को सौंपे आवेदन में बताया कि 23 अगस्त 2026 की रात करीब 1 बजे जब वे जागे तो देखा कि बगल के कमरे के बाहर लगा बल्ब बंद था। जब उन्होंने बल्ब जलाकर देखा तो कमरे में रखी पेटी खुली पड़ी



थी और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरों गायब थे। चोरी गए सामान में सोने के 4 कंगन, झुमकी, पांचाली मंगलसूत्र, अंगूठी तथा चांदी के बिछुआ और दो जोड़ पायल शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 10 से 12 लाख रुपये है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर पुलिस ने जेवरों की कीमत मात्र 90,000 रुपये लिखी थी। घटना के दिन पुलिस ने मौके

पर आकर जांच तो की, लेकिन उसके बाद से मामले में कोई प्रगति नहीं हुई। जब भी पीड़ित थाने जाकर पूछताछ करते हैं, तो उन्हें केवल विवेचना जारी होने की बात कहकर टाल दिया जाता है। पुलिस द्वारा न तो दोबारा मौके की जांच की गई और न ही कोई समुचित कार्रवाई की गई, जिससे हताश होकर पीड़ित को पुलिस अधीक्षक की शरण में आना पड़ा। पीड़ित ने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर चोरी का खुलासा कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

ख़बर संक्षेप

संजय गांधी अस्पताल की हठधर्मिता पर कलेक्टर सख्त, नियमित निरीक्षण के लिए रोस्टर तैयार

रीवा। संजय गांधी चिकित्सालय सहित जिले के प्रमुख शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी, व्यवस्था में सुधार और कमियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने अधिकारियों की नियमित निरीक्षण ड्यूटी का रोस्टर जारी किया

है।जारी आदेश के अनुसार सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन अलग-अलग प्रशासनिक अधिकारी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे। सोमवार को एसडीएम हुजूर अनुयाग निवारी, मंगलवार को डिप्टी कलेक्टर जीतेन्द्र तिवारी, बुधवार को अपर कलेक्टर सपना रिपटोली, गुरुवार को सीईओ जिला पंचायत सुष्टि देशमुख गौड़ा, शुक्रवार को आरुक्ता नगर पालिक निगम अक्षत जेन तथा शनिवार को संयुक्त कलेक्टर सुधीर कुमार बैक को निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, व्यवस्थाओं तथा मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जांचना लेने के साथ पाई जाने वाली कमियों एवं अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करना होगा।कलेक्टर द्वारा जारी जिला आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। इससे संजय गांधी अस्पताल समेत जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर प्रशासन की सीधी और नियमित निगरानी सुनिश्चित होगी।

शहीद प्रसूता कल्पना के न्याय की लड़ाई में सिरमौर चौराहे पर बैठे श्रीराम शिरोमणि

रीवा। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देते वाले शासन-प्रशासन के सामने सिरमौर चौराहे पर एक पिता न्याय की गुहार लेकर आमरण-अनशन कर बैठे हैं। प्रसूता कल्पना और उसके नवजात बच्चे की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर श्री राम शिरोमणि ने आंदोलन का रास्ता अजमाया है। मैंने स्वयं अपनी आंखों से देखा कि श्री राम शिरोमणि किस तरह व्यक्ति होकर शासन-प्रशासन से शहीद कल्पना को न्याय दिलाने की मांग कर रहे थे। उनके चेहरे पर पीड़ा साफ दिखाई दे रही थी और उनकी मांग बेहद स्पष्ट थी—जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो और पीड़ित परिवार को न्याय मिले।दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इस गंभीर मुद्दे पर भी राजनीति करने वाली ने पूरे मंच को अपने कब्जे में लेकर श्री राम शिरोमणि को आवाज को घेरने और दबाने का असफल प्रयास किया। सवाल यह है कि जब एक पीड़ित परिवार न्याय के लिए संघर्ष कर रहा हो, तब उसकी आवाज को राजनीतिक हस्तक्षेप से दबाने की कोशिश क्यों हो? 'कल्पना शहीद है गांधी विचार मंच संजय गांधी अस्पताल की कथित लापरवाही और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते हुए प्रसूता कल्पना की मौत को गांधी विचार मंच, मनगवां के संयोगवार समर्थक गुप्ता ने 'शाहदात' करार दिया है। उनका कहना है कि कल्पना की मौत महज एक घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला है।उपमुख्यमंत्री से सीधे सवालरीवा जिले से जुड़े इस गंभीर मामले को लेकर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि मामले में अभी तक जिम्मेदारी तय करने और दोषियों के विरुद्ध एफआईआर जैसी ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जमता जानना चाहती है। आखिर जिम्मेदार कौन हैं?दोषियों पर कार्रवाई कब होगी?पीड़ित परिवार को न्याय कब मिलेगा?व्यवस्था की जवाबदेही केवल बजान देने तक सीमित नहीं होगी चाहिए। यदि किसी सरकारी अस्पताल में प्रसूता और नवजात की मौत को लेकर गंभीर आरोप सामने आते हैं, तो निष्पक्ष जांच और दोषियों पर विधिस्ममत कार्रवाई होना जरूरी है।श्री राम शिरोमणि जिस पीड़ा के साथ व्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, वह किसी राजनीतिज्ञ मंच का विषय नहीं, बल्कि एक परिवार के व्याय और व्यवस्था की जवाबदेही का सवाल है।

मॉडल रोड का निर्माण कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा कराएं- आयुक्त नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, कार्य में लापरवाही पर तय होगी

सिंगरौली, 8 सितम्बर 2026। शहर में सुगम एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम आयुक्त सचिता प्रधान श्रीमती ने मॉडल रोड के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि मॉडल रोड का बंद निर्माण कार्य तत्काल पुनः प्रारंभ करारकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निष्पिष्ट समय-सीमा में पूर्ण करखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब या लापरवाही किसी भी स्तरित में स्वीकृत नहीं की जाएगी।नगर निगम आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मॉडल रोड के निर्माण एवं सम्मस्त कार्य की निगरिमत निगरानी की जाए तथा कार्य की गति में किसी प्रकार की कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित



रीवा। संजय गांधी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के मामले को लेकर रीवा में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लगातार उग्र होता जा रहा है। मंगलवार को युवा कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के निज निवास का घेराव करने के लिए बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को रोकने के लिए पुलिस ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी। इसके बावजूद कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तक पहुंच गए और आगे बढ़ने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने वाटर कैन्नन चलाया और आंसू गैस के तीन गोले छोड़े। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की और झूमाझटकी हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया समेत दर्जनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन के कारण मंत्री के निवास के आसपास का इलाका काफी देर तक पुलिस छावनी में तब्दील



रहा।बता दे युवा कांग्रेस के प्रदर्शन की घोषणा के बाद प्रशासन ने उपमुख्यमंत्री के रीवा स्थित निज निवास की सुरक्षा बढ़ा दी थी। निवास की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।प्रदर्शनकारी जैसे ही नारेबाजी करते हुए मंत्री के निवास की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड के पास पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ने की कोशिश की। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच विवाद बढ़ गया।प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार को जवाब देना चाहिए। कार्यकर्ताओं की मांग है कि जच्चा-बच्चा की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों



के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और यदि किसी स्तर पर आपराधिक लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।बैरिकेड पार करने की कोशिश पर वाटर कैन्नन का इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों के लगातार आगे बढ़ने की कोशिश के बाद पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाने के लिए वाटर कैन्नन का इस्तेमाल किया। पानी की तेज बौछारों के बावजूद प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते रहे। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने आंसू गैस के तीन गोले भी दागे। इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को अलग-अलग करते हुए कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प भी देखने को मिली।जच्चा-बच्चा की मौत ने पकड़ा राजनीतिक रंगबता दे संजय गांधी अस्पताल में प्रसूता और उसके नवजात बच्चे की मौत के बाद से ही रीवा में स्वास्थ्य

व्यवस्था को लेकर कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि अस्पताल में उपचार और व्यवस्था से जुड़ी लापरवाही के कारण यह गंभीर घटना हुई। मामले में जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग को लेकर कांग्रेस पहले भी प्रदर्शन कर चुकी है। अब युवा कांग्रेस ने सीधे स्वास्थ्य मंत्री के निवास का घेराव कर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की है।पूर्व भी हो चुका है मंत्री के बंगले का घेराव।स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दे पर युवा कांग्रेस इससे पहले भी स्वास्थ्य मंत्री के आवास का घेराव करने का प्रयास कर चुकी है। उस दौरान प्रदर्शन और हंगामे के बाद पुलिस ने आधा दर्जन नामजद सहित करीब 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लगातार हो रहे प्रदर्शनों से स्पष्ट है कि जच्चा-बच्चा की मौत का मामला अब रीवा में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार हमलावर है।

मेडिकल छात्रों का विरोध शुरू, स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग, भोपाल लाठीचार्ज का किया विरोध, 14 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड करने की मांग

रीवा। भोपाल में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर कैन्नन के इस्तेमाल का मामला अब पूरे प्रदेश में तूल पकड़ना जा रहा है। राजधानी भोपाल के बाद रीवा में भी मेडिकल छात्रों और इंटरन डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के इंटरन डॉक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मोर्चा खोलते हुए सरकार से प्रतिमाह मिलने वाली राशि में बढ़ोतरी की मांग की है।रीवा में प्रदर्शन कर रहे इंटरन डॉक्टरों का कहना है कि वर्तमान में उन्हें करीब 14 हजार रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है, जिसे बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाना चाहिए। डॉक्टरों का तर्क है कि मध्य प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के लिए विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है, जबकि इंटरन डॉक्टरों को मिलने वाला स्टाइपेंड कई अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है।. उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ स्टाइपेंड बढ़ा दिया गया है लेकिन मध्य प्रदेश में 3 महीने तक आंदोलन करने के बावजूद अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया। विरोध प्रदर्शन कर रहे इंटरन डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन सरकार या स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ नहीं है। डॉक्टरों का कहना है कि इंटरनशिप के दौरान अस्पतालों में मरीजों की सेवा और चिकित्सा व्यवस्था में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रहती है।



एफआईआर के बाद गिरफ्तारी देने थाने पहुंचे युवा कांग्रेसी प्रदर्शन के दौरान मारपीट का आरोप, मामला दर्ज करने की मांग

रीवा। डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल के रीवा स्थित आवास पर युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के बाद शहर की राजनीति गरमा गई है। प्रदर्शन के दौरान कथित तोड़फोड़ और बलवा को लेकर पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को युवा कांग्रेस के पक्षधारी और कार्यकर्ता खुद गिरफ्तारी देने अर्माहिया थाने पहुंच गए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के थाने पहुंचने से कुछ देर के लिए पुलिस-प्रशासन भी तर्कट हो गया और थाना परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। युवा कांग्रेस ने पुलिस की कार्रवाई को एकरतफा बताते हुए कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं ने किसी राजनीतिक दबाव में पीछे हटने के बजाय कानून के सामने खुद को प्रस्तुत किया है। युवा कांग्रेस पक्षधकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर शुरू किया गया आंदोलन अब और तेज होगा। संगठन का दावा है कि जब तक स्वास्थ्य मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तब तक दरघणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। यह पूरा विवाद एक दिन पहले डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल



के आवास पर हुए युवा कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद शुरू हुआ। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और स्थानीय मुद्दों को लेकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पुलिस को कानून-व्यवस्था संभालने के लिए मोर्चा लेना पड़ा। संगठन के बाद भगजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। रीवा सांसद जगदीश मिश्रा के नेतृत्व में भगजपा के नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आईजी कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

कलेक्टर ने किया अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन प्रशासनिक एवं कार्यालयीन कार्यों के सुचारु संचालन के लिए दायित्व सौंपे

सिंगरौली। जिले में प्रशासनिक एवं कार्यालयीन कार्य व्यवस्था को सुचारु एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री गौरव बैनल द्वारा अधिकारियों के मध्य कार्यों का विभाजन किया गया है। कार्य विभाजन के तहत डिप्टी कलेक्टर श्री सौरभ मिश्रा को विभिन्न शाखाओं एवं महत्वपूर्ण दायित्वों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डिप्टी कलेक्टर श्री मिश्रा को सीएम हेल्पलाइन, समाधान एक दिवस, राजस्व वसूली, जनसुनवाई, सामन्य अभिलेखागार, एनआईसी शाखा, राज्यवन शाखा, अधीक्षक शाखा, सीलिंग भूमि, प्रावचक न्यायालय कलेक्टर, जनसंपर्क शाखा, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, जन शिकायत निवारण, एसडब्ल्यू शाखा, एसडब्ल्यूडीजन शाखा, निरीक्षण शाखा, दंगा पीड़ित शाखा, रेंडोने शाखा, आवक जावक शाखा एवं व्यवहारवाद शाखा से संबंधित दायित्व सौंपे गए हैं।इसके साथ ही उन्हें 26 जनवरी गणतंत्र दिवस, 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस, 1 नवम्बर मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एवं सिंगरौली महोत्सव सहित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रमारी अधिकारी का दायित्व भी सौंपा गया है। कार्यालय कलेक्टर, जिला सिंगरौली के लोक सूचना अधिकारी, राष्ट्रीय एवं राज्य मानव अधिकार आयोग, महिला आयोग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग से संबंधित प्रकरणों का दायित्व भी उनके पास रहेगा। डिप्टी कलेक्टर श्री मिश्रा को मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए प्रमारी अधिकारी बनाया गया है। साथ ही शाखा से संबंधित कार्यों के 25 हजार रुपये तक की सीमा के दायकों के मुकानन की स्वीकृति का अधिकार भी प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा समय-समय पर सौंपे जाने वाले अन्य कार्यों का



दायित्व भी उनके द्वारा निर्वहन किया जाएगा।कलेक्टर द्वारा प्रशासनिक कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिक अधिकारी भी निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत कलेक्टर श्री गौरव बैनल के लिक अधिकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संधिप्रय को बनाया गया है। सीईओ जिला पंचायत के लिक अधिकारी अपर कलेक्टर श्री पी.एस. रिपटोली होंगे। इसी प्रकार अपर कलेक्टर श्री सौरभ मिश्रा तथा डिप्टी कलेक्टर श्री सौरभ मिश्रा के लिक अधिकारी संयुक्त कलेक्टर श्री अमित सिंह बम्हरीलिया होंगे। संयुक्त कलेक्टर श्री अमित सिंह बम्हरीलिया के लिक अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री सौरभ मिश्रा तथा डिप्टी कलेक्टर श्री सौरभ मिश्रा के लिक अधिकारी संयुक्त कलेक्टर श्री प्रशांत रिपटोली होंगे। अधिकारियों के लिक अधिकारी निर्धारित किए जाने से प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता एवं समन्वय सुनिश्चित होगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने गंभीरता से सुनीं आमजनों की समस्याएं 225 आवेदन प्राप्त, समय-सीमा में निराकरण के अधिकारियों को निर्देश

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री गौरव बैनल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 225 आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व संबंधी प्रकरण, भूमि विवाद, नामांतरण, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों के आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं तथा प्रस्तुत आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी ली।कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर समय-सीमा में नियमानुसार एवं न्यायपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान



शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का



निष्पक्ष जांच एवं त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राजपत्रित अधिकारियों,

थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।महिला फरियादियों की

नो-एंट्री में प्रवेश करना पड़ा भारी, यातायात पुलिस की कार्रवाई के बाद न्यायालय ने लगाया 21,500 का जुर्माना

सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक सिंगरौली श्री शिवाज के.एम. के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन में, यातायात प्रभारी सुबेदार श्री आशीष तिवारी के नेतृत्व में थाना यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में नो-एंट्री क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद प्रवेश करने वाले भारी वाहन को यातायात पुलिस द्वारा रोककर नियमानुसार कार्रवाई की गई। वाहन चालक द्वारा निर्धारित यातायात व्यवस्था एवं नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन किए जाने पर प्रकरण तैयार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।*माननीय न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण में 21,500 का जुर्माना अधिरोपित किया गया। सिंगरौली यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई है कि शहर की सुचारु यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नो-एंट्री व्यवस्था, निर्धारित मार्गों एवं यातायात



नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध इसी प्रकार वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

लाभ समय पर मिले तथा कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संवेदनशील एवं गंभीर प्रकृति के प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का परीक्षण करने तथा नियमानुसार त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वहीं, जिन प्रकरणों में तत्काल राहत अथवा समाधान संभव था, उनमें मौके पर ही आवश्यक कार्रवाही सुनिश्चित कराई गई।जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संधिप्रय, अपर कलेक्टर श्री पी.एस. रिपटोली, संयुक्त कलेक्टर श्री अमित सिंह बम्हरीलिया, एसडीएम श्री सुरेश जाधव, डिप्टी कलेक्टर श्री सौरभ मिश्रा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री पी.सी. चन्द्रवंशी, कार्यपालन संत्री पीएचई श्री टी.एस. बरकड़े, डीपीसी श्री आर.एल. शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

